# बिहार के हर ज़िले में होगा एक ट्रैफिक पार्क

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार में हो रहे रोड एक्सीडेंट को कम करने के लिये परिवहन विभाग ने राज्य के सभी ज़िलों में स्थायी ट्रैफिक पार्क बनाने हेतु नियमावली जारी कर दी है।

## प्रमुख बिंदु

- इसके तहत राज्य के हर ज़िले में एक-एक स्थायी ट्रैफिक पार्क बनाने की कवायद पटना के वीर कुंवर सिंह पार्क से शुरू हो गई है। इस पार्क के 4900 वर्ग फुट में अगस्त से एजेंसी के माध्यम से इस पार्क को बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। साथ ही, बाकी ज़िलों में धीरे-धीरे काम शुरू किया जाएगा।
- यह बिहार का पहला स्थायी ट्रैफिक पार्क होगा। अभी गया, पटना में अस्थायी ट्रैफिक पार्क चल रहा है, जहाँ सबसे अधिक स्कूल व कॉलेज के छात्र पहुँचते हैं।
- ट्रैफिक पार्क में बच्चों व युवाओं को यातायात नियमों की जानकारी दी जाएगी। इसके लिये ट्रैफिक पार्क में सड़क, छोटा फुट ओवर ब्रिज, डमी बिल्डिंग, प्रोजेक्टर, साउंड सिस्टम सभी की व्यवस्था की जाएगी। वहीं, ट्रैफिक पार्क में सड़क के साथ ट्रैफिक सिग्नल, जेब्रा क्रॉसिंग, यू-टर्न, जैसे- साइनेज, छोटे फुट ओवरब्रिज का निर्माण, स्कूल, बस स्टॉप आदि का डमी निर्माण, लैंप पोस्ट व लाइटिंग की व्यवस्था, अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार और प्रोजेक्टर के साथ रोड सेफ्टी क्लास रूम आदि की सुविधा होगी।
- परिवहन विभाग की नियमावली के मुताबिक चयन की गई एजेंसी को 10 साल के लिये इस ट्रैफिक पार्क की ज़िम्मेदारी दी जाएगी। ज़मीन और राशि परिवहन विभाग उपलब्ध कराएगा। इसके लिये एजेंसी से पूरी योजना का बजट मांगा गया है। एजेंसी को मज़दूर, उपकरण और सामग्री से लेकर मैन पावर का प्रबंध करना होगा।
- ट्रैफिक पार्क में स्कूली बच्चों और युवाओं को खेल-खेल में मनोरंजक तरीके से यातायात नियमों की जानकारी मिल सकेगी। यहाँ वे सुरक्षित गाड़ी चलाना सीख सकेंगे। इसके ज़रिए सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक भी किया जा सकेगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/traffic-park-in-each-district-of-bihar